परिशिष्ट

परिशिष्ट - 1

'काठ की तोप' नाटक का दृश्य

बड़े नवाब का दरबार

'काठ की तोप' नाटक का दृश्य

छोटे नवाब का दरबार : छोटे नवाब हथियार देख रहे हैं। बड़े नवाब भी इस दृश्य में छोटे नवाब को व्यापारियों के साथ देखते हैं।

LIBRARY
KOLHAPUR

'काठ की तोप' नाटक का दृश्य

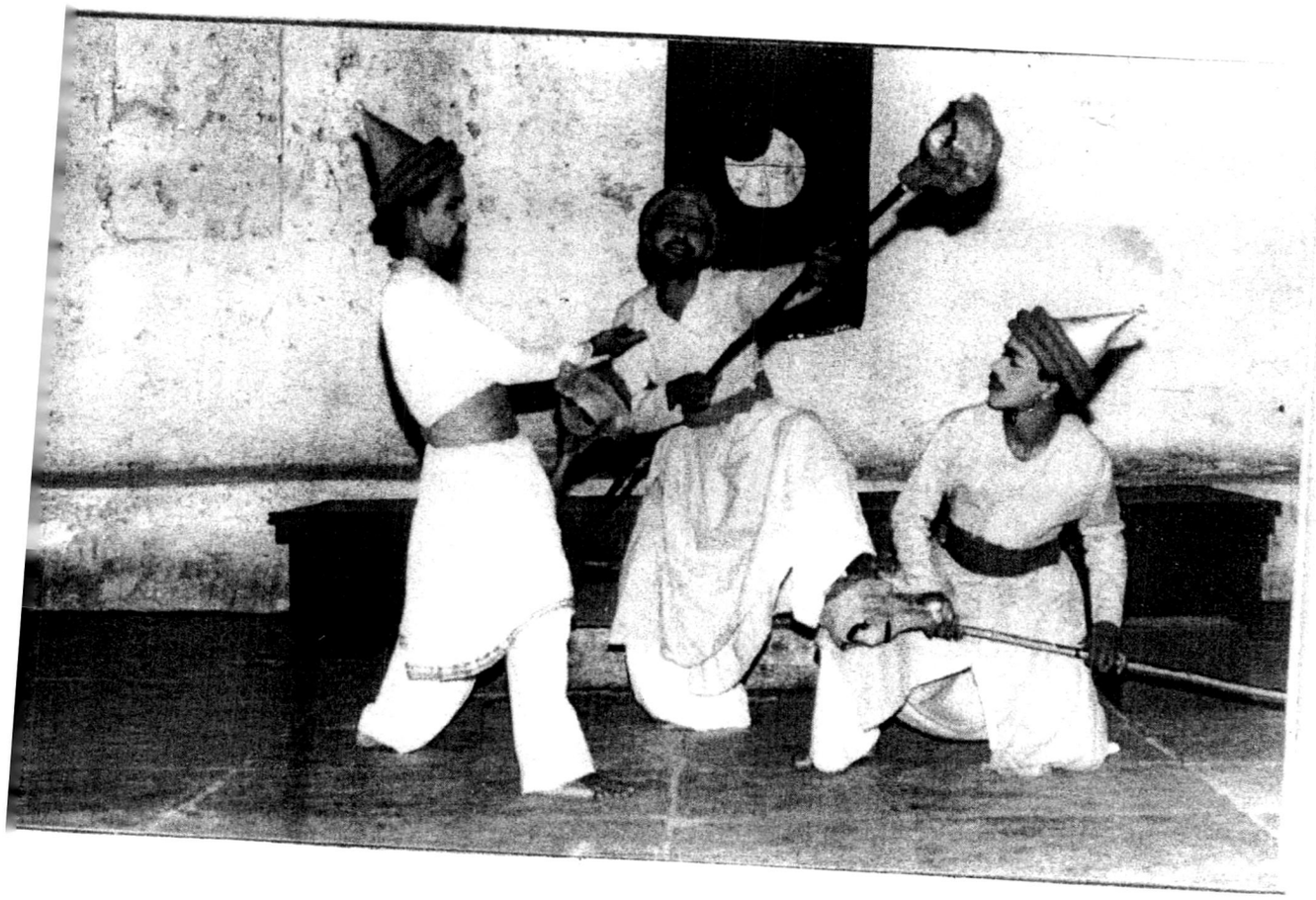

'काठ की तोप' नाटक का दृश्य

नाटक का अंतिम दृश्य : निर्देशक ने भारत माता को इंप्रोवाइज़ किया है जबकि मुख्य नाटक में नहीं है।

परिशिष्ट - 2

'चेहरे - चेहरे किसके चेहरे' नाटक का दृश्य

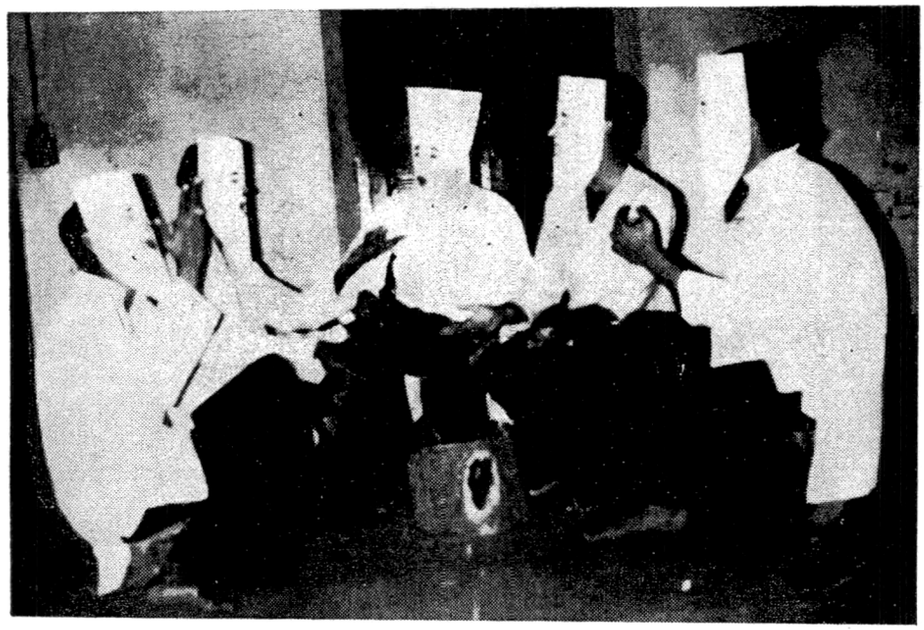

दृश्य दो : ये वास्तव में महान् हैं, इनका लक्ष्य कितना विराट है।

'चेहरे - चेहरे किसके चेहरे' नाटक का दृश्य

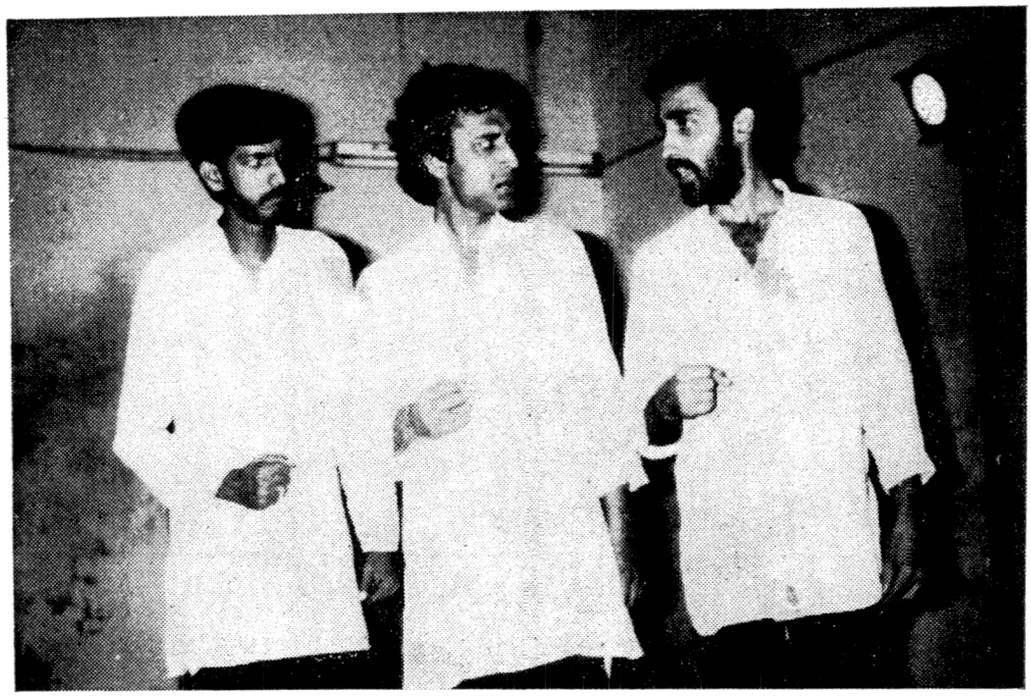

दृश्य तीन : हाँ, प्रशासन, कुशासन, और शवासन का अंतिम अस्त्र दुरादेश ही है।

'चेहरे-चेहरे किसके चेहरे' नाटक का दृश्य

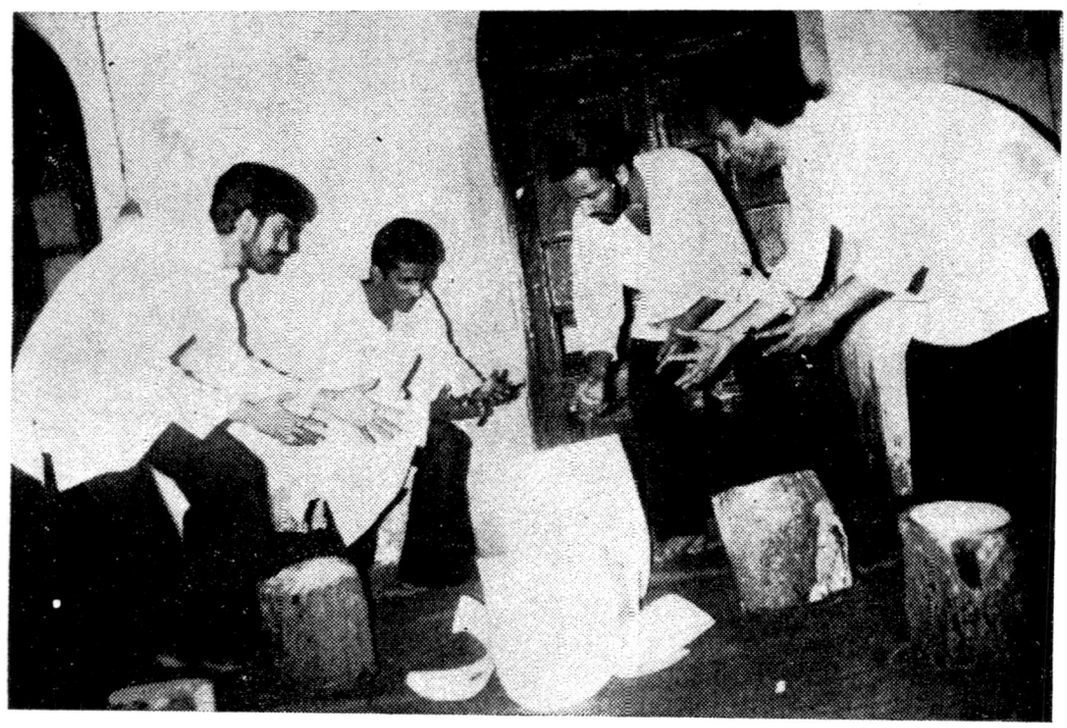

दृश्य तीन : देखो, देखो, यह मुखौटा बढ़ रहा है पहले से कितना बड़ा हो गया है।

'चेहरे - चेहरे किसके चेहरे' नाटक का दृश्य

दृश्य सात और नाटक का अंतिम दृश्य :
धरती को उन कांटेदार पौधों से भर दो जिन्हें उखाड़ने
का मतलब हो जान खोना···

891.431
YAD
T15516